ऎंतु पॊगळलि
ऎंतु पॊगळलि जगन्नाथदासरना |
कंतुपित ऒलिदिवर अंतरंगदि हॊळॆव || प ||
श्रीरमादेवि पतियॊडनॆ इवरलि निंतु |
ई ऎरॆडु देह अव्यक्त सहित |||
आरु नालकु तत्वाभिमानिगळ कूडि |
मूरु गुण काव्यगळ माडि तोर्पळु सुखव || १ ||
ई सुमनसर महिमॆ सूसि ता तिळिदु निज |
दासनादवन अघनाशन ||
कासिनाशॆगॆ परर दासनादवनु |
गुरुश्रीशविठलन दासरा महिमॆ बल्लनॆ || ५ ||